

के हर रूप के लिए

www.femina.in

पसंदीदा
हिंदी महिला
पत्रिका*

FEMINA

2012, ₹ 40

फ़ेमिना

श्रिया सरन

“मैं अपने दिल की
बात सुनती हूँ.”

दर्स डे विशेष

मैंने तीन
माहसी मांओं से
अकेले कर रही हूँ
अपने बच्चों की परवरिश

पूँ पाएँ
मंदाग त्वचा

ठाएँ महाराष्ट्र के
पीखे-मीठे पकवानों
का आनंद

जब ख़ूबसूरती
पर आएँ आँच

क्या करें जब
ब्यूटी ट्रीटमेंट ही
सुंदरता बिगाड़ दे

तब मैंने जाना कि मैं बहुत ख़ूबसूरत हूँ

ये अभिनेत्रियाँ बता रही हैं कि कब उन्हें अपनी
असली सुंदरता का एहसास हुआ



MW59120501

फ़ेमिना च इनीवैरिब
अर्च खर्विसेल द्वारा वर्ष
2009 में भारत के चुनिंदा
हरों में कराई गई रिसर्च
आधारित